टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ٹائمس آف پیڈیا

# TIMES OF PEDIA

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 02 FEB 2022 - TUE 08 FEB, 2022

VOL. 10. ISSUE 07

RNI No. DELMUL/2012/47011

# क्या भारत में प्रधानमंत्री का नहीं, राजा का शासन है?

कई बातें होती है जो कही नही जानी चाहिए मगर हरेक में वह बातें कहने की हिम्मत नही होती जो कहनी चाहिए. सरकार ने कितना जुल्म किया, क्या–क्या देश का अहित किया और जनता को कितना धोखा दिया. यह पता सब को है मगर सरकार को यह बताना कि तुमने यह गलत किया मुश्किल है. और जो सरकार बिल्कुल भी न सुनने को तैयार है, न मानने को तैयार है तब क्या करें.

यही हाल केन्द्र और राज्यों में भाजपा सरकारों का है. इसी बात को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर कोविड–19 महामारी के बीच किसानों को एक साल के लिए सड़क पर छोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी ऐसा कभी नहीं करेगी. आगामी उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से पहले किच्छा में एक डिजिटल रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पहले (यूपीए सरकार में) भारत का नेतृत्व देश के एक प्रधानमंत्री ने किया था, लेकिन आज के भारत का नेतृत्व एक राजा कर रहा है, जो सिर्फ निर्णय लेता है

और किसी की नहीं सुनता. राहुल गांधी ने कहा कि मनमोहन सिंह का समय श्गोल्डन पीरियडश क्यों था. वह गोल्डन पीरियड इसलिए था, क्योंकि उस समय किसानों और सरकार के बीच साझेदारी थी. उस समय सरकार के दरवाजे आपके लिए खुला करते थे, वह बंद नहीं थे. मजदूर अपनी बात हमें कह जाते थे. कभी हम कहते थे कि हम आपकी बात से सहमत नहीं है तो कभी कहते थे कि यह जो बात आपने बोली है यह आपने सही बोली है. उस समय भारत में प्रधानमंत्री था और आज के भारत में राजा है.

राहुल गांधी बोले कि एक प्रधानमंत्री को सबके लिए काम करना चाहिए, लोगों की बात सुनो...नरेंद्र मोदी जी पीएम नहीं हैं, बल्कि एक राजा हैं. उन्होंने लगभग एक साल तक किसानों की अनदेखी की, क्योंकि एक राजा मजदूरों की बात नहीं करता और न ही सुनता है, वो उनके लिए खुद फैसले लेता है. अब सवाल यह उठता है कि कांग्रेस नेता ने देश में राजा का शासन बताया है यह कहां तक सही है और कहां तक गलत है यह जनता को समझना है. कब तक जनता धर्म, जाति के नाम पर भटकती रहेगी, भूखों मरती रहेगी. क्या देश का भविष्य हमारे आने वाले बच्चों का नहीं है? क्या हम लोग सुख शांति और समृद्धि के लिए नहीं सोच सकते? क्या बाकी दुनिया हम से अलग है?

इन्हीं सब सवालों का जवाब हमारे नेताओं के पास है मगर वे इसका हल नही चाहते वे सिर्फ चाहते है चंद बिके हुए गरीब और अमीर गुलाम लोग जो सिर्फ जी हां करें और वे इसे को विकास समझे. आज देश में ज्यादातर ऐसे ही लोग हो गए है. आज नेताओं का ध्यान हर वक्त लूट, भ्रष्टाचार, कब्जा, चोरी से देश और जनता का माल हडपने के लिए ही सत्ता में आना प्रमुख मकसद बन गया है.

पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव क्या देश की राजनीति में नया अध्याय लिखेगा. हरेक के लिए गल्ती सुधारने का सुनहरा मौका है.

–आईटीएन

## Ali Aadil Khan - Editor's Desk

# योगी का परचा नामजदगी और अमित शाह, एक राज जो...

पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में बनते बिगड़ते और फिर बनते समीकरणों का माहौल खास तौर से उत्तर प्रदेश में चरम पर है, और बीजेपी का सियासी आधार धरम पर है, जबकि चुनावी नतीजों का फल, कर्म पर ही रहेगा, और रहना चाहिए.

उतर प्रदेश के गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ का परचा भरवाने अमित शाह क्यों पहुंचे? आपको बता दें इससे पहले डॉ राधा मोहन गोरखपुर सदर से 4 बार लगातार विधायक चुने गए हैं, लेकिन अचानक पता चला की उनका टिकट यहाँ से काट दिया गया है, अब उनकी चिंताएं वाजिब थीं.

वैसे आपको पता है, योगी और शाह भीतरी तौर पर एक दुसरे के प्रतिद्वंदी भी हैं. आपने 3 नेताओं को प्रधान मंत्री की दौड़ में अक्सर पोस्टों में देखा ही होगा शाह, साहिब और योगी.

दिलचस्प बात यह है की एक सर्वे में डॉ राधा मोहन अग्रवाल को 3 बहतरीन विधायकों की सूची में रखा गया था और डॉ राधा मोहन की यह शोहरत, योगी के लिए चिंता का सबब थी. खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट आने के बाद ही योगी आदित्यनाथ के लिए गोरखपुर की सीट से चुनाव लड़वाने का फैसला लिया गया जो योगी के लिए सबसे safe सीट बताई जाती है. जबकि डॉ मोहन की यहाँ से छुट्टी होगई है.

चार बार के विधायक को अचानक से छुट्टी का सन्देश कैसे हजम होता? इसीलिए गोरखपुर बीजेपी संगठन में हड़कंप मच गया,जो न सिर्फ योगी बल्कि बीजेपी की शीर्ष Leadership के लिए भी चिंता का विषय था. इसीलिए तत्काल प्रभाव से उनके न चाहते हुए भी अमित शाह को गोरखपुर के लिए रवाना किया गया. चूंकि योगी का जीतना भी बीजेपी राष्ट्रीय संगठन के मनो बल के लिए जरूरी तो है.

शाह को गोरखपुर आना पड़ा ताकि वो योगी के विरोधी ग्रुप को कैमरे के सामने एक साथ आते दिखा सकें, और योगी के पक्ष में समर्थन का ब्यान दिला सकें, भले दुनिया को दिखाने के लिए ही सही. यानी रंजिश ही सही दिल ही दुखाने के लिए आ पहले से मरासिम न सही फिर भी कभी तू रस्मो रह दुनिया ही निभाने के लिए आ.

भले ही राधे मोहन और उनके हजारों समर्थक, योगी आदित्यनाथ का विरोध करने से बाज दिखाई दे रहे हों किन्तु सत्ता से दूर होजाने का दुःख राधे मोहन के लिए भुलाना फिलहाल आसान नहीं होगा. भले उनको भी किसी दुसरे बड़े और बेहतर पद का आश्वासन दे दिया गया हो, क्योंकि जब पूरे देश को सपनों पर चला सकते हैं तो राधे मोहन जैसे कितनो को खुआब की नींद सुलाया जाना कोई मुश्किल नहीं गुजराती जोड़ी के लिए.

बीजेपी को जरूर मजबूत कर लिया गया, लेकिन देश लगातार कमजोर होता जा रहा है. एक्सप्रेसवे पर अमीरों की लम्बी कारें और लड़ाकू विमान तो दौड़ाये जा सकते हैं लेकिन देश की 64 प्रतिशत गरीब जनता की हवाई चप्पल उतार कर पैदल कर दिया गया है, जिसको हवाई जहाज में बिठाने का सपना दिखया गया था, जिनको अच्छे दिन का सपना दिखाया गया था उनके बुरे दिनों में कोई कसर नहीं बची है.

देश की जनता लगातार गुलामी की जंजीरों में जकड़ी जा रही है. देश का सामाजिक ताना बाना तार तार हो गया है, देश की एकता और अखंडता खत्म हो गयी है, सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है की सत्ताधारी पार्टी के द्वारा ही, धार्मिक और जातीय नफरत की आग को लगातार हवा दी जा रही है जो कभी भी शोला बन सकती है, यह मुल्क की सालमियत और संप्रभुता को भस्म करदेगी.

गिरती जीडीपी, बढ़ती भुखमरी और कुपोषण, खतम होता सांप्रदायिक सौहार्द के बीच नकली राष्ट्रवाद के काल में देश सर्वोपरि होने की बात बड़ी बेहयाई और ढिटाई से कही जा रही है, जो भारत के लिए इंतहाई खतरनाक है, अब जनता को ही अपना सियासी, सामाजिक और आर्थिक भविष्य बेहतर बनाना होगा.

एक तरफ आत्म निर्भर का नारा दूसरी तरफ नागरिकों के खान पान, लिबास, बोली, रहन सहन पर पाबंदी और वोट के अधिकार पर भी पहरा, यह दोहरा चरित्र देश के नक्शे के चित्र को बदल देगा. सबका साथ सबका विकास और विश्वास, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, अच्छे दिन आएंगे जैसे सभी नारे सिर्फ सत्ता केलिए ही साबित हुए हैं.

**Editor/Owner/Printer/Publisher:** Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

# सुरीली आवाज़ की मल्लिका लता मंगेशकर ने दुनिया को किया अलविदा

मशहूर गायिका लता मंगेशकर का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था. लेकिन शनिवार को उनकी तबियत बिगड़ने के बाद 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया है. इसके पहले उनकी तबियत में थोडा सुधार होने के बाद वेंटिलेटर से हटा लिया गया था. लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों की तरह से कहा गया कि उनकी तबियत एक बार फिर से बिगड़ने के बाद उन्हें फिर से वेंटिलेटर पर रखा गया. लेकिन उनका आज निधन हो गया.वहीं लता मंगेशकर के निधन की खबर सुनकर उनके चाहने वाले शोक जताने के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं.

लता मंगेशकर कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें 8 जनवरी को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था. जहां उनका इलाज डॉ प्रतीत समदानी और डॉक्टरों की एक टीम कर रही थी. गायिका लता मंगेशकर की कोरोना से ठीक हो चुकी थी कि लेकिन उम्र संबंधित बीमारियों का उनका इलाज चल रहा रहा. उनके स्वास्थ्य को लेकर ही आशा भोसले उन्हें देखने के लिए अस्पताल पहुंची हुई थी. बता दें कि नवंबर 2019 में सांस लेने में कठिनाई के चलते लता मंगेशकर को इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस दौरान उनमें न्यूमोनिया का पता चला था. 28 दिन के उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी. लेकिन कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें 8 जनवरी को एक बार फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया था.

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर, 1929 में इंदौर हुआ था. भारत रत्न लता मंगेशकर भारत की सबसे लोकप्रिय गायिका हैं. भारतीय सिनेमा की बेहतरीन गायिकाओं में शुमार लता ने 13 साल की उम्र में 1942 में अपने करियर की शुरूआत की थी. उन्होंने विभिन्न भारतीय ओं में अब तक 30 हजार से अधिक गाने गाये हैं.

लता मंगेशकर के निधन ने राष्ट्रपति से लेकर प्रधानंत्री समेत देशभर के आम और खास लोगों को शोक में डुबो दिया. मनोरंजन जगत से भी लोग नम आंखों के साथ उन्हें याद कर रहे हैं और श्रद्धांजलि दे रहे हैं. अक्षय कुमार से लेकर सलमान खान, कैटरीना कैफ से लेकर आलिया भट्ट तक हर किसी ने ट्वीट के जरिए और तस्वीरों के जरिए उन्हें याद किया.

बात करें लगा मंगेशकर की तो, उनके पार्थिव शरीर को शिवाजी पार्क ले आया गया है. अब से कुछ ही देर में उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर के बेटे आदिनाथ मंगेशकर उन्हें मुखाग्नि देंगे. प्रधानमंत्री मोदी भी इस दौरान वहां मौजूद रहेंगे.

—एजेंसी

# नफरत के सौदागरों को मोहब्बत के गुलाब पेश करें : सय्यद मोहम्मद अशरफ किछौछवी

उर्स सुल्तानुल हिन्द ख्वाजा गरीब नवाज रहमतुल्लाहि अलैहि के मौके पर आल इंडिया उलमा मशाईख बोर्ड ने चिश्ती मंजिल झालरा दरगाह ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर शरीफ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया , प्रेस को बोर्ड के संस्थापक अध्यक्ष हजरत सय्यद मोहम्मद अशरफ किछौछवी ,बोर्ड के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य हजरत शाह अम्मार अहमद अहमदी उर्फ नय्यर मियां ,बोर्ड के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य हजरत सय्यदी मियां,अजमेर शरीफ के गद्दी नशीन एवम बोर्ड के संयुक्त सचिव हाजी सय्यद सलमान चिश्ती ने संबोधित किया।

बोर्ड के अध्यक्ष हजरत सय्यद मोहम्मद अशरफ किछौछवी ने पूरी दुनिया के अकीदतमंदों को उर्स ख्वाजा गरीब नवाज की मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि नफरतों के इस दौर में मोहब्बत का पैगाम आम करना ही दरअसल गरीब नवाज के मिशन पर काम करना है जहां नफरत की आग फैले वहां हम सब की साझा जिम्मेदारी है कि हम मोहब्बत के गुलाब लेकर पहुंच जाएं.

हजरत ने कहा जिस तरह का मामला कर्नाटक में एक स्कूल की बच्चियों के हिजाब पहनने को लेकर सामने आया वह हमारे खोखले होते हुए समाज का आइना है अभी वह बुरा दौर दुनिया से गया नहीं है जब औरते तो औरते हैं मर्द भी अपने चेहरे हिजाब में छुपाए फिर रहे हैं, दुनिया में चेहरा खोलने की आजादी नहीं मिल रही है ऐसे हंगामी दौर में बेफिजूल के विवाद गंदी सियासत की देन है इससे अधिक कुछ भी नहीं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस तरह के मामलों में हस्तक्षेप करना चाहिए इससे हमारे मुल्क की छवि विदेशों में खराब होती है। हजरत ने सभी से अपील करते हुए कहा कि नफरत को नकार दीजिए यही जिंदगी को सुकून से जीने का एक मात्र उपाय है । हजरत नय्यर मियां ने तमाम लोगों को उर्स की मुबारकबाद देते हुए कहा कि असली हिंदोस्तान जिसे देखना होगा वह ख्वाजा के आंगन में आ जाए यही भारत हमें दुनिया में अलग बनाता है.

लेकिन चंद जहरीले लोग यह मोहब्बत का माहौल खराब करना चाहते हैं जिन्हें मुल्क से हकीकत में मोहब्बत है उन्हें इस जुल्म के खिलाफ खड़ा होना ही होगा कहीं बहुत देर न हो जाये लिहाजा जहां से भी नफरत का शोर उठे उसे मोहब्बत की सदा से दबा दिया जाए।

हजरत सय्यदी मियां ने भी ख्वाजा की छठी शरीफ की लोगों को मुबारकबाद दी और लोगों से भाईचारा बनाए रखने की अपील की.

उन्होंने कहा कि कई हिस्सों में चुनाव चल रहे हैं इसलिए यह नफरत के बोल और कारनामे चल रहे हैं आम लोगों को इसे समझना चाहिए और किसी के बहकावे में आए बिना यह सोचना चाहिए कि हम अपने घर के चारो तरफ आग लगाकर खुद भी गर्मी में झुलस जायेंगे लिहाजा मोहब्बत का इत्र महकाइए और मुल्क को मजबूत कीजिए ।

हाजी सय्यद सलमान चिश्ती ने लोगों को उर्स की मुबारकबाद देते हुए कहा कि सूफियों की तालिमात से हम नफरत की घाटी को मोहब्बत के फूलों की वादी में तब्दील कर सकते हैं.

हमें अपने किरदार बेहतर करने की जरूरत है कि कोई हमसे चाह कर भी नफरत न कर सके और उसका सिर्फ एक तरीका है कि हम समाज के लिए फायदेमंद बन जाएं.

हर शख्स हमसे फायदा हासिल करे तो जिस चीज से हमें फायदा होता है हम उससे नफरत नहीं करते। बारगाहे ख्वाजा गरीब नवाज से यही संदेश हमेशा से जारी है कि मोहब्बत सबके लिए नफरत किसी से नहीं।

—आईटीएन

**NOTICE:**

Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

# किसान नेता राकेश टिकैत भाजपा पर जमकर बरसे

मेरठ में किसान नेता राकेश टिकैत भाजपा पर जमकर बरसे, उन्होने कहा, चुनाव का मुद्दा एकदम साफ है. हालात देश के ठीक नहीं हैं. सरकार अब पशुधन को खत्म करने में जुटी है. फर्जी किसान बनाकर धान की तुलाई हुई. 1 लाख करोड़ रुपया सीधे व्यापारी की जेब में गए है. एमएसपी गारंटी कानून नहीं बनाना चाहती सरकार. 10 साल पुराना ट्रैक्टर सरकार हटाना चाहती है. बीजेपी समर्थकों के घर में भी पुराने ट्रैक्टर हैं. स्कूल अस्पताल महंगाई सड़क के बारे में पूछें. दिल्ली में 13 महीने आंदोलन क्यों चला. बीजेपी ने 1 बिरादरी को टारगेट कर रखा है. उस बिरादरी को बदनाम करने की साजिश की है. बीजेपी के बड़े लीडर कैराना मुजफ्फरनगर में घूम रहे. मुजफ्फरनगर में हिंदू—मुस्लिम का मैच नहीं होगा.

अब केवल विकास के मुद्दों पर सवाल करें. बीजेपी हमारे बच्चों को अनपढ़ बनाना चाहती है. बिहार के किसानों ने अपने आप को मजदूरों में तब्दील कर लिया. बिहार से पलायन हो रहा, मंडी 15 साल से बंद है. पूरे देश की जमीन को हड़पने का षड्यंत्र है. देश भर में युवा बेरोजगार भी खड़ा होगा. पूरे देश में जाएंगे,आदिवासी क्षेत्रों में भी जाएंगे.

# यूपी में चुनाव: लुभाने और भड़काने वाले बयानों की बाढ़

उत्तर प्रदेश में चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेताओं की बयानों में भी गर्माहट आसानी से महसूस की जा सकती है. जनता को लुभाने वाले, दूसरे प्रत्याशियों के खिलाफ भड़काने वाले बयानों की बाढ़ सी आ गई है.कुछ दिन पहले हापुड़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा था कि 10 मार्च के बाद मुजफ्फरनगर और कैराना में दिख रही गर्मी शांत हो जाएगी, मैं मई और जून में भी शिमला बना देता हूं. सीएम योगी के इस बयान की खूब चर्चा हो रही है और विपक्ष इस पर पलटवार भी कर रहा है.

सीएम योगी के बयान पर पलटवार करते हुए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा था कि हम (जाट) तो हैं ही गर्म मिजाज के. हम पैदा ही गर्म हुए थे. जयंत चौधरी ने कहा कि लगता है योगी जी को सिर पर ठंड लग गई है, उन्हें कंबल ओढ़कर गोरखपुर चले जाना चाहिए. इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर आम लोग भी सीएम योगी के श्गर्मी और शिमलाश वाले बयान पर तंज कस रहे हैं.

पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह ने ट्विटर पर लिखा कि गर्मी तो उतारेगी जनता, ठंडा कर देगी एकदम. आशीष कुमार नाम के यूजर ने लिखा कि अब तो 10 मार्च को देखना है कि उत्तर प्रदेश की जनता किसकी गर्मी उतारती है और

किसको ठंड से कूल–कूल कर देती है. जनता सर्वोपरि है, उत्तर प्रदेश की जनता अगर बंगाल जैसा सूझबूज करे तो सचमुच में गर्मी उतार देगी और भाजपा का सफाया हो जाएगा. अब किसकी सरकार बनेगी ये तो 10 मार्च को देखना है.

1983 की विश्व विजेता टीम के लिए दीदी ने ऐसे जुटाई थी प्राइज मनी ष्बीजेपी की सरकार बनाएं, विकास दें, गुंडागर्दी दें. .उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की फिसली जुबान तो सोशल मीडिया पर आए ऐसे रिएक्शन हैदराबाद पहुंचे पीएम मोदी ने खेत से तोड़कर चबाया चना, वीडियो हुआ वायरल. जयंत जाट नाम के यूजर ने तो पांचो राज्यों का विश्लेषण करते हुए लिखा कि पांच राज्यों के ताजा स्कोर, उत्तर प्रदेश में बीजेपी हार रही है. उत्तराखंड में बीजेपी की जीत नामुमकिन. पंजाब में बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल. गोवा में बीजेपी का सफाया हो चुका है.मणिपुर में बीजेपी तीसरे नंबर पर रहेगी. बीजेपी की हार में ही जनता की जीत है.

पम्मी नाम के यूजर ने लिखा कि सही बात है आपकी, गर्मी अब तो जनता ही उतारेगी, जब 10 मार्च को ये सत्ता से बाहर निकल जायेंगे. जीवन में दुबारा कभी सत्ता हासिल ना कर पाएंगे. झूठे विज्ञापनों और झूठी घोषणाओं पर बाबा गला फाड़कर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं. परंतु जनता बदलाव चाहती है, रोजगार चाहती है.

बता दें कि हापुड़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जब सीएम योगी ने कहा था कि 10 मार्च के बाद मुजफ्फरनगर और कैराना में दिख रही गर्मी शांत हो जाएगी, मैं मई और जून में भी शिमला बना देता हूं. इसके बाद विपक्ष के नेताओं ने जोरदार प्रहार किया था. प्रियंका गांधी ने अलीगढ़ में प्रचार के दौरान योगी और जयंत का नाम लिए बिना कहा, कोई गर्मी निकालने की और चर्बी निकालने की बात कर रहा है, लेकिन हम भर्ती करने की बात कह रहे हैं.

गौरतलब है कि जयंत चौधरी ने आरएलडी को वोट देने की अपील करते हुए कहा था ऐसा बटन दबाओ कि, बीजेपी के जो चर्बी चढ़ रही है आप वो उतर दो.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की शुरुआत 10 फरवरी से होने जा रही है. यूपी विधानसभा चुनाव 7 चरणों में होंगे. इन चरणों के तहत 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होगा. 10 मार्च को चुनाव के नतीजे आएंगे.

# जनता की पसंद डबल इंजन की 'दमदार सरकार' है, न कि माफियाओं के पीछे छिपने वाली 'दुमदार' सपा: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पूर्व ही लड़ाई 80 बनाम 20 से घटकर 90 बनाम 10 रह गई है. जनता की पसंद डबल इंजन की 'दमदार सरकार' है, न कि माफियाओं के पीछे छिपने वाली 'दुमदार' सपा. शनिवार को शामली में जनता से मुखातिब योगी ने कहा सपा मुखिया इन दिनों अपने 'गरम खून' की बात करते हैं, लेकिन इनका खून गरम होता तो सपा राज में मुजफ्फरनगर दंगा नहीं होता. इनके गरम खून को जनता ने 05 साल पहले ही ठंडा कर दिया है. सीएम ने कहा है कि आज के उत्तर प्रदेश में बम नहीं फटता अब तो कांवड़ यात्रा निकलती है और हर–हर बम–बम गूंजता है.

शामली और थानाभवन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने अपने 05 साल का हिसाब–किताब दिया तो पूर्व की सपा और बसपा सरकारों की कलई भी खोली. योगी ने कहा कि सपा का विकास 'कब्रिस्तान की बाउंड्री' तक ही रहा, सो उन्हें वोट भी वहीं मांगना चाहिए. एयरपोर्ट बनाना, एक्सप्रेस–वे बनाना, किसानों को सम्मान निधि देना कभी सपा के एजेंडे में रहा ही नहीं. वह लोग जब भी सत्ता में रहे, अपराधियों को पोसा और दंगा कराया. अखिलेश राज में हुए मुजफ्फरनगर के दंगों की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि सचिन और गौरव जैसे भाइयों का कसूर क्या था..? केवल अपने बहन की सुरक्षा के लिए पूछने गए थे, बदले में सपा के गुंडों ने दोनों की हत्या कर दी. 2017 में भाजपा सरकार आई और आज बेटियों के अपराधी गले में तख्ती लटकाकर जान की भीख मांगते हुए थानों के चौखट पर दिखते हैं. कैराना और कांधला के पलायन का दर्द साझा करते हुए योगी ने कहा कि आज मैं कह सकता हूं कि अब कैराना से पलायन नहीं होता, अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हर बेटी अपने आप को सुरक्षित महसूस करती है.

अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर देते हुए सीएम ने कहा "मुझे एक समाजवादी बहुत चिल्ला–चिल्ला के बोल रहे थे, कह रहे थे कि विकास के साथ–साथ ये बुलडोजर का क्या मतलब है? मैंने कहा कि दोनों साथ–साथ चलेंगे." हल्के–फुल्के अंदाज में मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तो उन्होंने बुलडोजर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपकरण लगा दिए हैं, जहां माफिया होगा, जहां दीवारों में जनता का पैसा छुपाया गया होगा, बुलडोजर खुद पहुंच जाएगा.

थानाभवन विधानसभा क्षेत्र में जनता से संवाद करते हुए उन्होंने विपक्ष पर करारा वार भी किया. सपा और रालोद के गठबंधन पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि यह 'दो लड़कों की जोड़ी' सूखी हुई जोड़ी है. यह लोग 'डार्क जोन' वाले हैं, इनके राज में हैंडपंप का पानी भी सूख जाता था.अखिलेश यादव और जयंत चौधरी पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि जब मुजफ्फरनगर दंगा हुआ, कैराना से पलायन हो रहा था तो यह लोग बिलों में छुपे बैठे थे. इनमें से एक लखनऊ में बैठकर दंगा कराता है तो दूसरा दिल्ली में बैठकर तमाशा देखता है. उस विपत्ति काल में भी भाजपा के सुरेश राणा और संजीव बालियान जैसे लोगों ने जनता की सुरक्षा के लिए अपने जान की बाजी लगाने में भी संकोच नहीं किया.

शामली में जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जो कहा है वो करके दिखाया है. उन्होंने कहा कि युवाओं को पहले की नौकरी नहीं मिलती थी..अगर कोई भर्ती निकलती भी थी तो चाचा और भतीजे दोनों वसूली के लिए निकल पड़ते थे. उन्होंने कहा कि बीते पांच सालों में प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलकर सुरक्षा, विकास व सबके सम्मान के जिस अभियान को भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने आगे बढ़ाया है, उसके रुकने–थमने नहीं देना है. सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान व भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए, समग्र विकास की यात्रा को अनवरत जारी रखने के लिए उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार बहुत जरूरी है.

–एजेंसी

**धर्म की राजनीति करने वाले इंसानियत के सबसे बड़े दुश्मन होते हैं.**

# बसपा की सरकार आने पर अपने पुराने फैसले लागू करेंगे: मायावती

सहारनपुर. बसपा सुप्रीमों मायावती ने सहारनपुर की धरती से वेस्ट के दलित और मुस्लिमों को साधने की पुरजोर कोशिश की है. कांग्रेस–भाजपा और समाजवादी पार्टी पर राजनीतिक आरोप लगाते हुए माया ने कहा कि यूपी में बसपा की सरकार आने पर जो फैसले बसपा सरकार में लिए गए थे उन्हें फिर से लागू किया जाएगा. उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को किसी भी कीमत पर खराब नहीं होने दिया जाएगा. केंद्र व प्रदेश सरकार के विवादित कानूनों को प्रदेश में लागू नहीं किया जाएग. समाजवादी पार्टी मुस्लिमों को अपनी जेब का वोटर मानती हैं लेकिन उन्हे आगे नहीं बढ़ाना चाहती. यही कारण है कि समाजवादी पार्टी ने गिनती के ही मुस्लिमों को टिकट दिया.

भाजपा पर संकीर्ण मानसिकता का आरोप लगाते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने एक विशेष जाति वर्ग के लिए काम किया और यही कारण रहा कि वह प्रदेश के साथ–साथ केंद्र से भी चली गई. मुस्लिमों को भरोसा दिलाया कि यदि वह बसपा के साथ आते हैं तो उन्हे बिना

पक्षपात बेहतर कानून व्यवस्था दी जाएगी और जो निर्दोश लोग जो जेलों में बंद हैं उन्हे बाहर निकलवाकर केवल अपराधियों को ही जेल की सलाखों के पीछे भिजवाया जाएगा. केंद्र और राज्य सरकार के विवादित कानून यूपी में बेअसर होंगे.

उत्तर प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती शनिवार को सहारनपुर पहुंची थी. यहां रेलवे के टपरी जंक्शन के पास मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया. मायावती की इस जनसभा में आने वाले समर्थकों के चेहरे पर काफी उत्साह था. बड़ी संख्या में लोग मायावती को सुनने पहुंचे. जनसभा में दो अलग–अलग मंच बनाए गए थे. बड़े मंच से मायावती ने जनसभा को संबोधित किया और छोटे मंच पर खड़े होकर सभी प्रत्याशियों ने हाथ जोड़कर वोट मांगे. अपने संबोधन को शुरू करते हुए मायावती ने पहले कांग्रेस फिर भाजपा और फिर समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लिया. इस दौरान मायावती ने कहा कि भाजपा सरकार ने धर्म के नाम पर नफरत और तनाव के हालात पैदा किए हैं. प्रदेश सरकार में अपराध बढ़े हैं. दलितों और मुसिल्मों का अधिक उत्पीड़न हुआ है. महंगाई बढ़ रही है केवल बसपा ही ऐसी पार्टी है जो दलितों और मुस्लिमों को आगे बढ़ने का अवसर देती है. समाजवादी पार्टी ने पूर्व में मुस्लिमों वोटों के आधार पर प्रदेश में सरकार बनाई लेकिन मुस्लिमों को आगे बढ़ने का अवसर नहीं दिया. इसका उदाहरण इसी बात से मिल जाता है कि विधान सभा चुनाव में मुस्लिमों को टिकट तक नहीं दिए.

सीनीय मुद्दों के आधार पर मायावती ने सब्बीरपुर कांड को याद किया और कहा कि मैने सब्बीरपुर कांड की आवाज संसद में उठाने की कोशिश की लेकिन जब मेरी बात वहां नहीं सुनी गई तो मैने राज्यसभा पद से स्तीफा दे दिया. मायावती तंज भरे अंदाज में बोली कि जो लोग हाल ही में बसपा छोड़कर भाजपा में गए हैं मैं उनसे भी

# रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पर्याप्त कैपिटल न होने और आमदनी की संभावनाएं खत्म होने के चलते इस बैंक का लाइसेंस किया रद्द

भारतीय रिजर्व बैंक ने इंडिपेंडेंस को–ऑपरेटिव बैंक, नासिक का लाइसेंस रद्द कर दिया है. केंद्रीय बैंक ने कहा है कि इस सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी नहीं है और साथ ही आमदनी की संभावनाएं भी नहीं हैं,

इस वजह से यह कदम उठाया जा रहा है. रिजर्व बैंक ने कल एक बयान में कहा कि तीन फरवरी, 2022 को कारोबार के घंटे समाप्त होने के बाद इंडिपेंडेंस को–ऑपरेटिव बैंक कारोबारी गतिविधियां नहीं कर सकेगा.

आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंकिग नियमन अधिनियम, 1949 की जरूरतों का अनुपालन करने में बैंक विफल रहा है. बैंक के पास पर्याप्त पूंजी

और कमाई की संभावनाएं नहीं होने के चलते ये बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 11(1) और धारा 22 (3)(डी) के नियमों का अनुपालन नहीं करता है. बयान में कहा गया है कि परिसमापन के बाद बैंक के प्रत्येक जमाकर्ता को जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपये तक की सीमा में जमा बीमा दावा राशि मिलेगी.

बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, उसके 99 फीसदी से अधिक ग्राहक डीआईसीजीसी से अपनी जमा की पूरी राशि पाने के पात्र हैं.

पिछले कुछ समय से ग्राहकों के हित में आरबीआई की ऐसे बैंकों पर सख्ती बढ़ी है जो बैंकिंग नियमों के तहत सुचारू रूप से कामकाज करने में विफल साबित हो रहे हैं. इस कड़ी में हाल ही में मुंबई के तीन को–ऑपरेटिव बैंक आए थे.

अब रिजर्व बैंक ने इंडिपेंडेंस को–ऑपरेटिव बैंक, नासिक का लाइसेंस रद्द कर दिया है.

–एजेंसी

# क्या रूस यूक्रेन पर हमला करने जा रहा है?

अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि रूस यूक्रेन पर हमला करने के लिए तैयार है. रूसी सेना यूक्रेन पर पूरी तरह से आक्रमण करने की तैयारी के 70 फीसदी स्तर पर है.रूस को यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की आवश्यकता होगी. इसके लिए रूस अपने पड़ोसी के साथ लगी सीमा पर अधिक सैनिक भेज रहा है. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों (जिन्होंने नाम गुप्त रखने की शर्त रखी) के हवाले से दिया है.

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पिछले दो सप्ताह में सीमावर्ती क्षेत्र में बटालियन सामरिक समूहों की संख्या शुक्रवार तक 60 से बढ़कर 83 हो गई है. 14 बटालियन सीमा पर पहुंच रहे हैं. 15 फरवरी तक रूस की सेना आक्रमण करने के लिए 100 फीसदी तैयार होगी. रूसी सैन्य इकाइयों द्वारा ऑफ–रोड मैकेनाइज्ड ट्रांजिट की इजाजत दी गई है. ऐसे हालात मार्च के अंत तक जारी रहेंगे. यह

टाइमलाइन और यूक्रेन के करीब रूसी सेनाओं की बढ़ती संख्या और क्षमता यह संकेत दे रही है कि कूटनीति के लिए दरवाजे बंद हो रहे हैं.

बता दें कि रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास एक लाख से अधिक सैनिकों को तैनात कर रखा है. हालांकि रूस ने कहा है कि वह आक्रमण की योजना नहीं बना रहा है. रूस ने अमेरिका से इस बात की गारंटी की मांग की है कि यूक्रेन को नाटो का सदस्य नहीं बनाया जाएगा. अमेरिका ने इससे इनकार कर दिया है. अमेरिका और उसके सहयोगी देश आरोप लगा रहे हैं कि रूस यूक्रेन पर हमला करने की तैयारी कर रहा है. अधिकारियों ने कहा कि वाशिंगटन का मानना है कि रूस सीमित घुसपैठ सहित पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के अलावा अन्य विकल्प चुन सकता है. वाशिंगटन यह नहीं मानता कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतिम निर्णय लिया है, लेकिन पुतिन एक ऐसी ताकत लगा रहे हैं जो सभी परिदृश्यों को अंजाम दे सकती है. अगर रूस ने कीव की राजधानी पर आक्रमण किया तो यह कुछ दिनों के भीतर गिर सकता है. पूर्ण पैमाने पर आक्रमण से बड़ी संख्या में हताहत होंगे.

यूक्रेन के 5,000 से 25,000 सैनिक हताहत हो सकते हैं, जबकि रूस के 3,000 से 10,000 सैनिकों की जान जा सकती है. इस लड़ाई में यूक्रेन के 25,000 से 50,000 तक आम लोग मारे जा सकते हैं. वाशिंगटन का मानना है कि एक पूर्ण आक्रमण यूरोप में लाखों शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की समस्या को जन्म देगा.

# सांसद असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हमला करने के वाले दोनो आरोपी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के मेरठ में गुरुवार को सांसद असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हमला करने के आरोप दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ के दौरान हमलावरों ने पुलिस को बताया कि वे ओवैसी के हिंदू विरोधी बयान से आहत थे.

हापुड़ एसपी दीपक भुकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार कर दिल्ली लौट रहे एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर फायरिंग करने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. जांच चल रही है. पूछताछ के दौरान दोनों ने बताया कि ओवैसी के हिंदू विरोधी बयानों से आहत होने पर उन्होंने कार्रवाई की.

दोनों हमलावर दोस्त बताए जा रहे हैं. एक को पुलिस ने घटना के थोड़ी देर बाद पकड़ लिया था. उसकी पहचान सचिन के रूप में हुई है. वह ग्रेटर नोएडा स्थित बादलपुर गांव का रहने वाला है. वहीं,

पुलिस ने दूसरे आरोपी को गाजियाबाद जिले के सिहानी गेट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया. उसकी पहचान शुभम के रूप में हुई है.

ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी शुक्रवार को संसद में सुरक्षा भंग और अपने काफिले पर हमले का मुद्दा उठाएंगे. सूत्रों के मुताबिक इस मुद्दे पर चर्चा के लिए ओवैसी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात करेंगे. इसी बीच असदुद्दीन के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी भी गुरुवार की देर रात दिल्ली पहुंच गए.

इससे पहले एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए ओवैसी की कार पर फायरिंग का मुद्दा उठाया था.

उन्होंने कहा कि मामले की जांच में कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए. दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. जलील ने ट्विटर पर घोषणा की कि देश भर में एआईएमआईएम की सभी इकाइयां इस घटना के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करेंगी.

जलील ने ट्वीट किया, ष्देश भर में सभी एआईएमआईएम इकाइयां शुक्रवार को शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करेंगी और संबंधित डीएमध्आयुक्तों को ज्ञापन सौंपकर ओवैसी पर हमलों की गहन जांच की मांग करेंगी. साथ ही यूपी में उनकी जनसभाओं में उच्चतम सुरक्षा की मांग की जाएगी.

–एजेंसी

# क्या पीयूष जैन का सारा काला धन जाएगा सरकारी ख़ज़ाने में?

इत्र कारोबारी पीयूष जैन के यहां मिली करोड़ों रुपये की नकदी के मामले में डीजीजीआई के साथ ही जल्द आयकर विभाग भी पीयूष से पूछताछ कर सकता है. हालांकि पीयूष के पास से बरामद 196.45 करोड़ नकद और 22 किलो सोना काले धन की श्रेणी में आएगा. ऐसे में उस पर 107 फीसदी टैक्स व जुर्माना लगेगा. सोने की कीमत भी 12 करोड़ के करीब है. ऐसे में करीब 208 करोड़ तो सरकारी खजाने में चले जाएंगे. 14–16 करोड़ रुपये उसे अलग से देने होंगे.

डीजीजीआई अहमदाबाद ने 22 दिसंबर को शिखर पान मसाला, गणपति रोड कैरियर्स और पीयूष जैन के यहां एक साथ छापा मारा था. इसमें पीयूष के आनंदपुरी स्थित आवास से 177.45 करोड़ और कन्नौज स्थित आवास से 19 करोड़ समेत 196.45 करोड़ नगद मिला था. इसके अलावा 22 किलो सोने की सिल्ली मिली थी. इसमें 12 किलो विदेशी सोना

था. इसकी जांच अलग से डीआरआई कर रही है. डीजीजीआई इस मामले में अभी भी जांच कर रही है.

वहीं जेल में बंद पीयूष काली कमाई बचाने के लिए कई जुगत भिड़ा रहा है. डीजीजीआई की जांच व पूछताछ में उसने स्वीकारा था कि उसके पास से बरामद रकम जीएसटी चोरी की है. इसलिए टैक्स और जुर्माना सहित 52 करोड़ रुपये काट कर शेष राशि लौटा दी जाए. वहीं आयकर विभाग के सूत्रों को कहना है औपचारिक जांच अभी शुरू नहीं की गई है लेकिन केस फाइल साझा होने के बाद सबसे पहले पीयूष की पूरी रकम सरकारी खजाने में चली जाएगी. सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान पीयूष जैन, उसकी पत्नी, और पिता के पांच साल तक के आयकर रिटर्न की जानकारी जुटाई गई थी. इसमें 15–18 लाख की कमाई दिखाई गई थी. जबकि उसके घर से करोड़ों रुपये नकद मिले हैं. जानकारों का कहना है कि कालेधन पर टैक्स और पेनल्टी की कई श्रेणियां हैं. यदि कैश के साथ दस्तावेज और बयान हैं तो 67 फीसदी टैक्स लगता है. जबकि कैश और दस्तावेज हैं, लेकिन बयान नहीं है तो 87 फीसदी टैक्स संबंधित पर लगता है.

कैश मिला है लेकिन साथ में न तो बयान हैं, न ही दस्तावेज हैं तो 107 फीसदी टैक्स का प्रावधान हैं. पीयूष के मामले में कैश मिला है लेकिन न तो कोई दस्तावेज हैं, न ही वह बयान देने को राजी है. उस पर 107 फीसदी टैक्स लगेगा और पेनल्टी भी लगेगी. ऐसे में उसका सारा कैश और सोना सरकारी खजाने में जमा होगा.

# तिब्बती स्टूडेंटस ने हिमाचल प्रदेश में चीन का किया विरोध प्रदर्शन

चीन में 4–20 फरवरी के बीच आयोजित बीजिंग विंटर ओलंपिक ओलंपिक को लेकर दुनियाभर में विरोध रहा है. चीन द्वारा दूसरों की जमीन पर कब्जा करने और मानवाधिकारों के हनन को लेकर ये राजनीतिक, कूटनीतिक और जन विरोध हो रहे हैं. तिब्बती स्टूडेंट्स ने भी इसका विरोध किया है.

हिमाचल प्रदेश में तिब्बती स्टूडेंटस ने अलग अंदाज में चीन का विरोध जताया. से जुड़े तेनजिन पासांग ने कहा कि हम न केवल तिब्बत में बल्कि चीन के कब्जे वाले सभी देशों में सभी राजनीतिक बंदियों का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं. हम बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक 2022 के उद्घाटन का विरोध कर रहे हैं.

ओलंपिक को राजनीति से दूर रखने का वादा निभाने में चीन नाकाम रहा है. इस आयोजन यानी विंटर टॉर्च ओलंपिक रिले का एक मशाल वाहक उस सैन्य अधिकारी को भी बनाया गया था, जो गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ

हुई हिंसक झड़प में बुरी तरह घायल हुआ था. चीनी मुखपत्र द ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, इसमें पीएलए शिनजियांग मिलिट्री कमांड के रेजिमेंटल कमांडर क्यूई फैबाओ ने 4 बार के शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्कैटिंग चौम्पियन वांग मेंग से टॉर्च ली.

दूरदर्शन बीजिंग विंटर ओलिंपिक का लाइव टेलीकास्ट नहीं करेगा. प्रसार भारती के सीईओ शशि शेखर ने एक ट्वीट कर यह जानकारी दी. वहीं, भारत ने डिप्लोमैटिक बायकॉट किया है. विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी देकर कहा था कि भारत ने यह फैसला चीन की तरफ से खेलों के टॉर्च रिले में एक ऐसे कमांडर श्की फाबाओश को मशाल सौंपने पर लिया है.

चीन द्वारा मानवाधिकार के उल्लंघन के चलते अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों ने बीजिंग विंटर ओलिंपिक का राजनयिक बहिष्कार किया है. ये देश अपने खिलाड़ियों को तो चीन भेज रहे हैं, लेकिन किसी राजनयिक को नहीं. अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई पश्चिमी देशों ने शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को उजागर करने के लिए अपने राजनयिकों द्वारा इस आयोजन का बहिष्कार करने की घोषणा की है. उनका कहना है कि शिनजियांग में शिविरों में एक लाख से अधिक उइगर मुसलमान कैद हैं.

चीन शिनजियांग में बनाए गए शिविरों में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप से इनकार करता है.

–एजेंसी

# सांसद कैलाश सोनी जी ने गायक चेतन सोनी के नए म्यूजिक स्टूडियो का उद्घाटन किया

बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा के पावन पर्व पर राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी के हाथों से उभरते हुए गायक चेतन सोनी के द्वारका स्थित माइटी हारमोनिस्ट म्यूजिक स्टूडियो का उद्घाटन किया.

प्रातः गायक चेतन सोनी और उनके परिवार ने मिलकर मां सरस्वती पूजा एवं यज्ञ का आयोजन किया. जिसमें पिताजी श्री पुरुषोत्तम दास सोनी, माताजी श्रीमती कमलेश सोनी, बहन और जीजा जी करुणा वर्मा, अरुण वर्मा, सोमेंद्र नाथ मिश्रा, सविंदर नाथ मिश्रा, शिवालिका मिश्रा,

मित्र अभिषेक रैना, बीकानेर से दीपक सोनी एवं परिवार के अन्य लोग भी सम्मिलित हुए. पूजा के पश्चात सभी ने उभरते हुए गायक को अपना आशीर्वाद

और शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर स्वर्णकार समाज एवं सर्व समाज की ओर से विभिन्न लोग सम्मिलित हुए.

डॉ विनोद कुमार वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बिरला ग्रुप, हीरा व्यापारी महेश वर्मा, आनंद सोनी, रियल एस्टेट कारोबारी मुकेश वर्मा, शीशराम सोनी, सी.पी.सोनी, नितिन सोनी, ललित सोनी एवं अन्य मित्रगण सम्मिलित हुए. सभी ने गायक चेतन सोनी के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें शुभकामनाएं दी. स्टूडियो में बच्चों को भी गायन की शिक्षा दी जाएगी.

अंत में भोजन और प्रसाद की भी व्यवस्था थी जिसे सभी ने ग्रहण किया.

—सुनित नरूला

# स्टैटफील्ड इक्विपमेंट्स ने किया एस एस पाउडर कोटर को सम्मानित.

एस एस पाउडर कोटर फरीदाबाद मैं आयोजित एक कार्यक्रम में जिसका आयोजन स्टैटफील्ड इक्विपमेंट्स के रीजनल सेल्स मैनेजर प्रवीण श्रीवास्तव ने किया. मीडिया से बातचीत करते हुए प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया एस एस पाउडर कोटर उनके 31 वर्ष पुराने क्लाइंट है जिन्होंने अपनी पहली पाउडर कोटिंग गन सन 1991 में स्टैटफील्ड से ली उसके बाद निरंतर अंतराल पर 7,8 गन उनके पास कार्यरत है. एस एस पाउडर कोटर के एमडी श्री सूरज सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वह स्टैटफील्ड की सेल्स सपोर्ट और आफ्टर सेल्स सर्विस से बहुत ही ज्यादा संतुष्ट है. सूरज सिंह के पुत्र सौरव देशवाल जी ने यह भी बताया

की सन 1996 मैं जो पाउडर कोटिंग गन उन्होंने स्टैटफील्ड से ली थी वह आज भी सफल रुप से कार्यरत है. इसके अलावा स्टैटफील्ड के डीलर द्वारा दी हुई सर्विस से भी प्रभावित है. एस एस पाउडर कोटर द्वारा स्टैटफील्ड को उसकी बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस के नाम का एक संतुष्टि पत्र दिया.

स्टैटफील्ड इक्विपमेंट्स जो कि सन 1973 से वर्ल्ड लीडर के रूप में पाउडर कोटिंग और लिक्विड पेंटिंग एप्लीकेटरस का व्यापार सक्षम रूप से कर रही है और इसमें इनका मार्केट शेयर 65ः से लेकर 70ः तक है. इस मौके पर प्रवीण श्रीवास्तव ने श्री सूरज सिंह को फूलों का बुके देकर सम्मानित किया. और इसके साथ ही इन लम्हों को यादगार बनाने के लिए केक भी काटा गया. इस मौके पर श्री सूरज सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, सौरभ देशवाल, धीरज तलान, सचिन शर्मा आदि मौजूद रहे.

—सुनित नरूला

# पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ क्यूं बढ़ रहा है जनता में असंतोष?

पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ जनता में तेजी असंतोष तेजी से बढ़ रहा है, इसी बीच खबर आ रही है कि पाकिस्तान सेना ने बलूचिस्तान प्रांत में 20 विद्रोहियों को मार गिराया है, हालांकि इस दौरान पाकिस्तान के नौ सैनिकों भी मारे गए हैं. यह ऑपरेशन तीन दिनों तक चला. अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है.

दरअसल, बलूचिस्तान प्रांत विद्रोहियों ने पाक सेना के कैंप पर हमला कर दिया था, जिसके बाद सेना ने एक ऑपेशन चलाया और इस ऑपरेशन में 20 विद्रोहियों को मार गिराया, लेकिन उसके भी नौ सैनिक मारे गए.

इस घटना को लेकर पाक सेना ने बयान जारी किया है, सेना के बयान के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने विद्रोहियों को

वापस खदेड़ दिया है. सेना ने कहा कि आज के अभियान में घिरे हुए सभी आतंकवादी मारे गए किसी को आत्मसमर्पण का मौका नहीं मिला. डॉन के अनुसार, सुरक्षाबलों ने पंजगुर में छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए एक तलाशी अभियान चलाया था, पहले दिन सुरक्षाबलों ने चार आतंकियों को मार गिराया. इमरान खान ने ट्वीट कर सुरक्षाबलों को बधाई दी. इमरान खान ने कहा कि हम अपने सुरक्षा बलों को सलाम करते हैं, जिन्होंने बलूचिस्तान के पंजगुर और नोशकी में सुरक्षा बलों के शिविरों के खिलाफ हमलों को नाकाम कर दिया. देश सुरक्षाबलों के साथ खड़ा है.

इससे पहले भी विद्रोहियों ने पाक सेना पर हमला किया है, बता दें कि 28 जनवरी को डेरा बुगती में एक विस्फोट हुआ था, जिसमें पाक सेना के तीन सैनिक मार गए थे, जबकि आठ सैनक घायल हो गए थे. वहीं 30 जनवरी को जाफराबाद जिले में ग्रेनेड हमला हुआ था, जिसमें कम 17 लोग घायल हुए थे. इसमें पुलिसकर्मी भी शामिल थे.

# भगवा गमछा पहने युवकों की भीड़ के खिलाफ अकेले मोर्चे पर डटी हिजाब पहने हुए लड़की

मांन्डया, कर्नाटकः कर्नाटक के कॉलेजों में हिंदू–मुस्लिम छात्र समूह हिजाब और भगवा स्कार्फ के मामले पर आमने–सामने हैं. बढ़े हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच कर्नाटक के मांन्ड्या में विरोध प्रदर्शन और संवेदनशील हो गए जब एक बुर्का पहनी हुई मुस्लिम छात्रा के साथ बदसलूकी हुई. कॉलेज में इस छात्रा के सामने भगवा पट्टे डाले लकड़ों के एक बड़े समूह ने नारे बाजी की और टिप्पणियां की. यह घटना मान्डा के प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेज की है. वीडियो में एक कॉलेज की

युवा लड़की अपना स्कूटर पार्क कर कॉलेज बिल्डिंग की ओर बढ़ रही होती है तभी भगवा पट्टे डाले लड़कों का एक समूह उस बुर्का पहनी लड़की की ओर जय श्री राम के नारे लगाता हुआ बढ़ता है. मुस्लिम लड़की ने भी जवाब में ''अल्लाह हू अकबर'' के नारे लगाए.

इसके बाद लड़की चिल्लाती हुई क्लास की ओर बढ़ जाती है और लड़कों का समूह उसके पीछे जाता दिखता है. इस बीच कॉलेज का स्टाफ लड़कों को रोकता हुआ दिखता है.

—आईटीएन

# RESPECT AND MANNERS OF VISITING AJMER SHARIF

There was a time when travel to Ajmer Sharif was very difficult because of the lack of rail transport. But Hazrat Shah Jahangir (I) Mawlana Mukhlisur Rahman (Qaddas Allahu Sirrahu) considered the visit so important that he travelled from Chittagong, Bangladesh to Ajmer Sharif, India which took a journey of 6 months.

His successor, Hazrat Shah Jahangir (II) Fakhrul Arefin Mawlana Abdul Hai (Qaddas Allahu Sirrahu) advised that a person should visit the Darbar Sharif (Courtyard) of awliya (saints) as a regular person and should never think of himself or herself as better than anyone else. He said that there is no need to be a lamp in front the Sun. He was against people presenting themselves at the maqam (tomb) of awliya (saints) as anyone special. He was also against any spiritual guide (spiritual guide) accepting bayyah (allegiance) from new mureeds (disciples) in these blessed places.

Hazrat Mawlana Abdul Hai (Qaddas Allahu Sirrahu) never accepted bayyah (allegiance) from new mureeds (disciples) in Ajmer Sharif, and never allowed himself to be presented as anyone important or special there. He always sat on the ground in Darbar Ajmer Sharif like the common people. He had so much respect for Darbar Ajmer Sharif that he never raised his voice there, and only spoke in a soft voice.

This great respect for Darbar Ajmer Sharif was accepted and rewarded by Allah Subhanahu wa Ta'la as Silsila Aliya was given so much success and progress later through Hazrat Khawaja Mohammad Nabi Raza Shah (Qaddas Allahu Sirrahu) that there are now thousands of mureeds in this Silsila from Ajmer Sharif and the surrounding areas.This respect continued during the life of Hazrat Khawaja Mawlana Mohammad Khushhal (Qaddas Allahu Sirrahu) who had great respect for the khadims (caretakers) of Darbar Ajmer Sharif and always accepted them with great honor, and the same way now continues with his successor, Hazrat Sufi Jawwad Ahmed Khushhali.

Dua:

Ya Allah, Hum Sab Ko Apnae Bargah-e-Hidayat Mai kar Qabool, Hazrat Mukhlisur Rahman Jahangiri e huda ke wastey

Ya Allah, accept us in your court of Guidance, For the sake of Hazrat Mukhlisur Rahman Jahangiri

Dilko hamare ya Khuda de zindagi tur taazgi, Shah Muhammad Abdul Hai Maqbool Ud Duwa ke Wastey

O'Lord give our heart life and nourishment, for the sake of Shah Mawlana Abdul Hai

Silsila - E - Aliya Khushhaliya !!

(Ref: Seerat e Fakhrul Arefin, pg. 80-81 / Hazrat Ashraf Jahangir Simnani (R.A) and his odd encounters in Sultanat-i-Bangalah: Mirzakhil Darbar Sharif - a case study, pg. 25) -ITN


## SUBSCRIPTION FORM
## TIMES OF PEDIA

| Issue | Subscription Price | Years |
|---|---|---|
| 52 | 250/- | 1 |
| 104 | 500/- | 2 |
| 260 | 1,300/- | 5 |
| 520 | 2,600/- | 10 |
| -- | 5,000/- | Life |

Name :.....
Address :.....
.....
.....
Email:.....
Contact Phone No.....
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐ /5 yrs ☐ subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700


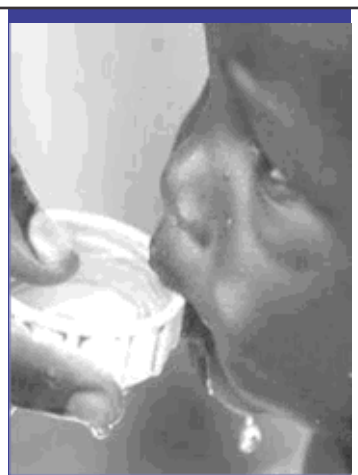

*Ending Someone's thirst is the Biggest Deed of Humanity*


## ADVERTISEMENT TARIFF
## TIMES OF PEDIA

| Size/Insertion Single | B&W (Rs) | 4 Colour (Rs) |
|---|---|---|
| Full Page (23.5 x 36.5 cm) | 30,000/- | 1,00,000/- |
| A4 (18.7 x 26.5 cm) | 20,000/- | 60,000/- |
| Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm) | 18,000/- | 50,000/- |
| Half Page (wide-23.5 x 18 cm) | 8,000/- | 50,000/- |
| Quarter Page (11.6 x 18 cm) | 10,000/- | 28,000/- |
| Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm) | 3,000/- | 10,000/- |

**MECHANICAL DATA:**

**Language:** English, Hindi and Urdu

**Printing:** Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W

**No. of Pages:** 12 pages (more in future)

**Price:** Rs. 3/-

**Print order:** 25,000

**Periodicity:** Weekly

**Material details:** Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

**Bank transactions details of TIMES OF PEDIA**
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

# -:: संक्षिप्त समाचार ::-

जेनेवा. अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के छह महीने बाद भी स्थितियां अभी भी अनिश्चित बनीं हुई हैं. युद्ध से तबाह देश कई तरह के राजनीतिक, सामाजिक–आर्थिक और मानवीय संकट से गुजर रहा है.अभी भी देश में एक ऐसे शासन की दरकार है जो सभी वर्गों को उनका अधिकार दे सके, विशेषकर महिलाओं की स्थितियां बेहतर हो सके. संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अफगानिस्तान पर यूएन की रिपोर्ट को जारी किया है. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने श्अफगानिस्तान की स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए इसके निहितार्थ पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि तालिबान खुद को एक कार्यवाहक सरकार के रूप में पेश करने के प्रयास दिखा रहा है. हालांकि, आंदोलन ने अभी तक शासी ढांचे का निर्माण नहीं किया है. शासी ढांचे के निर्माण नहीं होने से देश की जातीय, राजनीतिक और भौगोलिक विविधता पर असर पड़ेगा.

यूपी विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे को परास्त करने की योजना बना रही हैं.कानपुर की कैंट विधानसभा सीट में एआईएमआईएम की एंट्री होने से चुनावी मुकाबला बड़ा ही रोचक हो गया है. दरअसल कैंट विधानसभा मुस्लिम बाहुल्य सीट है. इस सीट पर कांग्रेस एसपी बीएसपी और एआईएमआईएम ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं. वहीं बीजेपी ने एक बार फिर से रघुनंदन भदौरिया पर भरोसा जताया है. कैंट सीट पर मुस्लिम वोटर बटता है, तो इसका सीधा फायदा बीजेपी को मिलने वाला है. कानपुर की कैंट विधानसभा मुस्लिम बाहुल्य सीट है. कैंट सीट का मुकाबला बड़ा ही रोचक होने वाला है. कैंट सीट पर बीजेपी को छोड़कर सभी राजनीतिक पार्टियों ने मुस्लिम कैंडिडेट को उतारा है. एसपी ने मो. हसन रूमी, कांग्रेस ने वर्तमान विधायक सोहेल असांरी, बीएसपी ने मो. सफी खान, आप ने राशिद जमाल और एआईएमआईएम ने मोइन को उतारा है.

ओवैसी पर हमले में बड़ा खुलासा : हमलावर सचिन ने 9 एम एम की पिस्टल से चलाई थी गोलियां, आरोपी से 9 एम एम की मेड इन जर्मनी पिस्टल बरामद हुई है,गौरतलब है कि 9 एम एम के हथियार सिर्फ सेना और पुलिस बल के लोग ही इस्तेमाल कर सकते हैं,आखिर कौन हैं इस बड़ी साजिश में शामिल?

आगरा. शहर में बसपा सुप्रीमो मायावती अपनी वर्ष 2022 विधानसभा की पहली रैली करने आईं थी. जो उनको भारी पड़ गई. आगरा के शाहगंज थाने में उनकर कारोना प्रोटोकॉल का पालन न करने के लिए मुकदमा दर्ज कर लिया गया.2 फरवरी को मीना बाजार में हुई जनसभा में अनुमति से अधिक भीड़ जुटने पर पुलिस के द्वारा यह मुकदमा दर्ज किया गया है. इस कार्रवाई में बसपा जिलाध्यक्ष धीरज बघेल को नामजद किया गया है. आगरा 2 फरवरी को बसपा सुप्रीमो मायावती की आगरा के कोठी मीना बाजार मैदान में जनसभा थी जिसमें अनुमति से अधिक भीड़ होने के कारण, कोविड–19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने की वजह से मायावती पर शाहागंज थाना क्षेत्र की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है.

लखनऊरू मुस्लिम से हिंदू बने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी के खिलाफ सआदतगंज कोतवाली में एक युवती ने कई आरोप लगाते हुये शुक्रवार को एफआईआर दर्ज करायी है. युवती का आरोप है कि वसीम के कहने पर ही उसके पिता ने उसका यौन शोषण किया. एक धर्मगुरु के खिलाफ झूठे अश्लील आरोप लगवाये. वसीम और पिता के बहकावे में आकर उसने धर्मगुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाया था जो पूरी तरह झूठा था. अब वसीम रिजवी ने साजिश कर उसकी छोटी बहन का भी गलत इस्तेमाल किया. धर्मगुरु के साथ उसकी अश्लील फोटो वायरल करा रहे हैं. पीड़ित ने बदनामी के लिये जिम्मेदार वसीम और अपने बड़े भाई समेत आठ लोगों पर केस दर्ज कराया है. सआदतगंज कोतवाली में दर्ज एफआईआर के मुताबिक पीड़िता ने आरोप लगाया कि वर्ष 2015 में पिता की हरकत का विरोध करने पर उसे, मां और भाई को घर से निकाल दिया गया था.

मायावती ने इमरान मसूद पर कसा तंच : कहा यहाँ नेताएक नेता जो अपने को मुसलमान का बहुत बड़ा नेता समझता है. विचारे को टिकिट नहीं मिला और ख़ाली हाथ रह गया.

# सीएम योगी गर्मी शांत करने की बात करते और हम पुलिस भर्ती की घोषणा की बात करेंगे: अखिलेश

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरने का दावा करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि लोगों को फोन पर धमकाया जा रहा है और सपा की सरकार बनने पर ऐसे मामलों में मुकदमा दर्ज किया जाएगा.अखिलेश ने आगरा जिले के बाह इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा श्जब से सपा चुनाव में मजबूत दावेदार के तौर पर उभरी है, तब से लोगों को फोन पर धमकी दी जा रही है. अगर किसी के पास ऐसी फोन कॉल आती है तो उसे रिकॉर्ड कर लें. मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे सत्ता में आने पर उसे एक मुकदमे के तौर पर लिया जाएगाश.

उन्होंने कहा ष्प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य और संविधान को बचाने का चुनाव है. भाजपा कुछ भी कर सकती है और जब तक वह कुछ कर ना दे तब तक कोई कुछ जान भी नहीं पाता. क्या किसी को पता था कि नोटबंदी होगी? श्सपा अध्यक्ष ने 10 मार्च (विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा वाले दिन) के बाद श्गर्मी शांतश करने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर तंज करते हुए कहा मुख्यमंत्री गर्मी शांत करने की बात करते हैं लेकिन हम सिर्फ राज्य में युवाओं की पुलिस भर्ती की घोषणा की बात करेंगे. प्रदेश की भाजपा सरकार पर कोविड–19 महामारी के दौरान जनता को राहत देने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए अखिलेश ने कहा, उस मुश्किल वक्त में सपा द्वारा दी गई एंबुलेंस से मरीजों को अस्पताल ले जाया गया लेकिन भाजपा सरकार उन मरीजों को जरूरी इंजेक्शन तक उपलब्ध नहीं करा सकी.

अखिलेश ने कहा कि आगरा के बाह इलाके में सपा की सरकार ने मंदिरों का पुनरुद्धार कराया था और सपा गठबंधन की सरकार बनने पर राज्य में बिजली की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा और विकास कार्य तेजी से किया जाएगा. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने श्भारत रत्नश गायिका लता मंगेशकर के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सत्ता में आने पर समाजवादी पार्टी प्रदेश में उनके नाम से कुछ ना कुछ जरूर करेगी.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में 403 विधानसभा सीट के लिए पहले चरण का मतदान 10 फरवरी, दूसरा चरण 14 फरवरी, तीसरा चरण 20 फरवरी, चौथा चरण 23 फरवरी, पांचवां चरण 27 फरवरी, छठा चरण 3 मार्च और अंतिम चरण का मतदान 7 मार्च को है. कुल 7 चरणों में होगा यूपी में चुनाव. मतगणना 10 मार्च को होगी.

# बसपा को कभी मैनपुरी की जनता का समर्थन नहीं मिला

उत्तरप्रदेश में चार बार बसपा की सरकार तो बनी लेकिन अब तक एक बार भी बहुजन समाजवादी पार्टी को मैनपुरी की जनता का समर्थन नहीं मिल पाया. मैनपुरी से विधानसभा चुनाव हर बार बसपा को हार का सामना करना पड़ा.हालांकि घिरोर विधानसभा सीट से हाथी ने दो बार चिगांड़ मारकर विधानसभा तक का सफर तय किया है लेकिन बाकी तीन सीटों पर कभी भी बसपा कमाल नहीं दिखा पाई.

मैनपुरी की पांचों विधानसभा सीटों पर 1957 से लेकर अब तक 77 विधायक विधानसभा का सफर तय कर चुके हैं लेकिन यहां से बसपा सुप्रीमों की पार्टी का किसी ने समर्थन नहीं किया. वह चुनाव के लिए हर बार मैदान में उतरी, लेकिन उसे हर बार हार का सामना करना पड़ा. सदर, भोगांव, किशनी और करहल से बसपा अब तक अपना खाता खोलने में कामयाब नहीं हो पाई. घिरोर विधानसभा सीट ने बसपा को संजीवनी देने का काम किया. इस सीट से बहुजन समाजवादी पार्टी के जयवीर सिहं ने 2002 और 2007 में जीत हासिल की थी लेकिन 2012 में आकर बसपा को फिर से हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया. सदर, भोगांव और करहल से अब तक 16–16 विधायक चुने गए हैं, जबकि किशनी सीट पर अब 15 बार चुनाव हो चुका है.

जिले के मतदाताओं ने 1985 के बाद से कांग्रेसी आतंक थामा है करहल विधानसभा सीट से 1980 में शिवमंगल सिंह कांग्रेस के टिकट पर जीते. इसके बाद से इस सीट पर कांग्रेस कभी जीत हासिल नहीं कर सकी. भोगांव विधानसभा सीट पर 1985 में शिवबक्ख सिंह कांग्रेस के टिकट पर जीते सदर सीट पर 1985 में रघुवीर सिंह यादव और किशनी विधानसभा सीट पर 1985 में राम सिंह कांग्रेस के टिकट पर जीते. इसके बाद से इन तीनों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस जीत हासिल नहीं कर सकी.

# कर्नाटक में हिजाब और भगवा स्कार्फ को लेकर विवाद पर सरकार का फैसला

कर्नाटक में स्कूल–कॉलेज में छात्राओं के हिजाब और भगवा स्कार्फ पहनने को लेकर विवाद को तेजी से बढ़ता देख कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. राज्य सरकार ने शांति व्यवस्था को बिगाड़ने वाले कपड़ो पर बैन लगा दिया है. राज्य सरकार ने 1983 की धारा 133 लागू कर दी है. जिसके तहत स्कूल में सभी को समान यूनिफॉर्म पहनकर आना होगा. अब सरकारी स्कूल के बच्चों को एक तय यूनिफॉर्म पहनकर आना होगा, वहीं नीजि स्कूल अपना यूनिफॉर्म खुद चुन सकते हैं.

बताया जा रहा है कि स्कूल में मुस्लिम छात्रों को हिजाब पहनने की अनुमित नहीं थी, इसके बाद कुछ जगहों पर छात्रों द्वारा भगवा स्कार्फ पहनकर आने पर विरोध होने लगा, इस विवाद से एक तरफ स्कूली छात्र परेशना थे तो दूसरी तरफ उनकी स्कूल में शिक्षा प्रभावित हो रही थी.

हिजाब विवाद को लेकर सियासत शुरू हो गई है. विपक्ष की पार्टियां बीजेपी सरकार को घेर रही हैं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस मसले पर बीजेपी सरकार को घेरा है, राहुल गांधी ने कहा कि श हिजाब को शिक्षा के रास्ते में लाकर हम भारत की बेटियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. मां सरस्वती सभी को ज्ञान दें. वह भेदभाव नहीं करतीं.श वहीं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया कहा कि हिजाब मुस्लिमों का मौलिक अधिकार है. शिक्षा मौलिक अधिकार है. अगर उन्हें स्कूल आने से रोका जाता है उनके यह मौलिक अधिकार का हनन है.

गौरतलब है कि यह विवाद इस साल जनवरी में शुरू हुआ था, दरअसल, उडुपी के एक सरकारी महाविद्यालय में छह छात्राओं ने हिजाब पहनकर कॉलेज में एंट्री ली थी. हालांकि, कॉलेज के प्रशासन ने इसकी मंजूरी नहीं दी थी, जिसके बाद यह एक ट्रेंड सा बन गया और कई स्कूल में छात्राएं हिजाब पहनकर आने लगी, इसके बाद कुछ छात्राओं ने भगवा स्कार्फ पहनकर आना शुरू कर दिया, जिससे बाद से ये विवाद खड़ा हो गया.

–एजेंसी

# Shiv Sena to contest 50 to 60 seats in UP Elections: Sanjay Raut. MP

The firebrand ShivSena leader and MP Sanjay Raut lambasted the Modi government for not following the democratic system and accused the Election Commission as working in collusion with the Modi government. He came down heavily on modi government for misusing the constitutional bodies, like CBI, ED, and EC against the political parties. He said that his own family members were subjected to enquiry by ED , even when they are not in business.In a heavily attended press conference, at a prominent hotel in Lucknow, Sanjay Raut said that Shiv Sena will contest 50 to 60 seats in UP elections. Though he added that they wanted to contest 300 seats , but many of their candidates forms were rejected by EC. Describing the Maharastra government as a successful government working for the benifit of the people, he criticized the Yogi government for not working in proper manner and he came down heavily on the law and order conditions in the states.He condemned the dastardly attacks on AIMIM Leader Owaisi in meerut.He disclosed that Maharastra CM and Shiv Sena leader Uddhav Thackare will be convassing for its candidates in UP elections.In a question put by ISMATIMES editor, Sanjay Raut said that in event of any party not getting majority in the elections, we will not support BJP party

-ITN

# -:: संक्षिप्त समाचार ::-

आल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुसलमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को जेड सिक्योरटी मिल गई है. दरअसल, कल यानी 3 फरवरी को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक 7 दिनों पहले उन पर हमला हुआ था.5 गोलियां चलीं. हमलावर गौतमबुद्धनगर के सचिन और सहारनपुर के शुभम को पकड़ भी लिया जाता है, लेकिन ये घटना.. सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है. इस हमले को चुनाव के दौरान मजहबी रंग देने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है. हमलावर के निशाने पर सिर्फ ओवैसी नहीं थे, बल्कि यूपी चुनाव था. हाईकोर्ट के आदेश के बाद हर टोल नाका पर वीआईपी के लिए अलग से लेन बनाई गई है.

बीबीसी की एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर बलात्कार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फेमस टीवी प्रजेंटर स्टेसी डूले के नए टीवी शो की शूटिंग के दौरान बीबीसी की एक महिला कर्मचारी के साथ रेप किया गया था.द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, टीवी प्रजेंटर स्टेसी डूले के एक नए कुकिंग शो की शूटिंग के दौरान रेप की घटना हुई थी.

सिटी ऑफ लंदन पुलिस ने कहा कि घटना की सूचना उन्हें एक दूसरों से मिली है और श्इस मामले में सबूतों की समीक्षा की जा रही हैश. एक सूत्र ने द सन को बताया कि हमलावर ने उस कमरे में जबरन घुसकर महिला के साथ जबरदस्ती की थी. खबर के मुताबिक शो में काम कर रहे क्रू को इस मामले के बारे में बताया गया था. दरअसल बीबीसी के एक स्टाफ सदस्य ने प्रोडक्शन के दौरान यौन आरोपश के बारे में क्रू को एक ईमेल किया.

बुलंदशहररू कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की जनपद की में जन संपर्क के दौरान महिला व युवाओं पर नजर रही और भाजपा पर जमकर निशाना साधा. कहा कि भाजपा लोगों को निश्शुल्क राशन देकर ढिंढोरा पीट रही है.महंगाई और रोजगार छिनने से लोगों को घर चलाना मुश्किल हो रहा है. कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने सिकंदराबाद विधान सभा से जनपद में प्रत्याशियों के पक्ष में जन संपर्क किया. डोर–टू–डोर संपर्क के दौरान लोगों से प्रत्याशियों को जिताने की अपील की. प्रियंका वाड्रा का काफिला जन संपर्क करते हुए बुलंदशहर होते हुए शिकारपुर विधान सभा में कस्बा छतारी के गांव धौरऊ पहुंचा. प्रियंका वाड्रा ने मृतक युवती के स्वजन से बंद कमरे में बात कर उनकों न्याय दिलाने का भरोसा दिया. यहां से निकलने के बाद प्रियंका ने जनसंपर्क कर प्रत्याशी जियाउर्रहमान को जिताने की अपील की.

मुंबई. आलिया भट्ट की मोस्ट अवेडेट फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया. संजय लीला भंसाली की फिल्म का सामने आया ट्रेलर धमाकेदार है.फिल्म में आलिया ने मुंबई के रेड लाइट एरिया कमाठीपुरा की पॉवरफुल लेडी गंगूबाई का रोल किया है. इस फिल्म में आलिया का धाकड़ अंदाज देखने को मिल रहा है. ट्रेलर में गंगूबाई की जर्नी दिखाई है. इसमें दिखाया कि कैसे गंगूबाई अपना रोब चारों–तरफ जमाती है और सबको अपने इशारों पर नचाती है. आपको बता दें कि ये फिल्म एक रियल कहानी पर आधारित है. ये कहानी गुजरात के काठियावाड़ में रहने वाली गंगूबाई की जिंदगी की है. आपको बता दें कि ये फिल्म 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. फिल्म में अजय देवगन खास रोल प्ले करते नजर आएंगे.

नई दिल्ली. केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया.स्मृति ने केजरीवाल पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप जड़ा. उन्होंने कहा कि बीजेपी मंदिर बना रही है और केजरीवाल सरकार उसके पास शराब की दुकान खोल रही है. तिलक नगर में आपको 2 गुरुद्वारों के बीच में शराब की दुकान मिल जाएगी. धर्म की एक मर्यादा होती है, जिसे केजरीवाल सरकार ने तोड़ा है और फिर वह नशा मुक्त पंजाब का वादा करते हैं. स्मृति ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने शराब की दुकानें खोलीं और साबित कर दिया कि वह मुनाफे के चक्कर में किसी भी हद तक जा सकते हैं. मैं यहां सभी भाइयों से कहूंगी कि कल्पना कीजिए कि एक बहन हर दिन सम्मान और सुरक्षा की उम्मीद में शराब की दुकान से गुजरती है.

# क्या प्रशासानिक संरक्षण में बलात्कार का दंश झेल रही हैं बिहार में बेटियाँ?

औरंगाबाद (बिहार): बिहार की राजधानी पटना स्थित गाय घाट शेल्टर होम/जेल में बालिकाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं, महिलाओं के साथ महिला (जेलर बंदना गुप्ता) की हैवानियत तथा बिहार के सबसे सुरक्षित जगहों पर बालिकाओं एवं विक्षिप्त बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाओं का आरोप व सनसनीखेज खबरें, मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है. वहीं बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार के विरुद्ध जनता की गुस्सा परवान चढ़ने लगा है. बिहार के राजधानी पटना स्थित गाय घाट शेल्टर होम/जेल में बालिकाओं के साथ बलत्कार की खबरें, बिहार के मुजफ्फरपुर में बालिका गृह कांड़ की यादों को फिर से ताजा कर दिया है.

बिहार में मुख्यमंत्री के नाक के तले व प्रशासानिक संरक्षण में जेलर द्वारा बेटियों के साथ होने वाले बलात्कार को औरंगाबाद के बुद्धजीवियों एवं लोजपा नेताओं ने चुनौती के रूप में स्वीकारा है और बिहार के सबसे सुरक्षित स्थान (जेल) शेल्टर होम में बिहार सरकार के मुखिया, नीतीश कुमार के नाक तले व प्रशासनिक संरक्षण में बालिकाओं के साथ (यहां तक की विक्षिप्त बच्चियों के साथ) यौन शोषण /बलात्कार की घटनाओं से संबंधित पीड़ित बालिका के सोशल मीड़िया के साथ वीडियो ब्यान को जनमानस के बीच (हर घर व मुहल्ले की दरवाजे तक) लेकर जाने की बातें कहीं है. यह हालात औरंगाबाद जिले के दाउदनगर अंतर्गत पचरूखिया में लोजपा सुप्रीमो, चिराग पासवान द्वारा जनसभा को संबोधन के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार के सच तथा मुख्यमंत्री द्वारा राजधानी के पटना स्थित गाय घाट के शेल्टर होम/जेल में बालिकाओं के साथ यौन शोषण/बलात्कार कराने के आरोपी जेलर बंदना गुप्ता को 24 घंटे के अन्दर क्लीन चिट देने की बात से उत्पन्न हुआ है.

बिहार के सुशासन बाबू माननीय, नीतीश कुमार पर लोजपा सुप्रीमो की प्रहार औरंगाबाद जिले में जदयू एवं भाजपा की नींव को हिलाकर रख दिया है और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेता पार्टी बंधन एवं प्रमुखों के दिशा निर्देशों की परवाह किए बिना ही लोजपा सुप्रीमों के साथ मंच पर जिंदाबाद के नारा लगाते हुए दिखे. जनता ने भी इनके कदमों के साथ मिलाकर चलने की गीत गुनगुनाते दिखें और बिहार के औरंगाबाद जिले की धरती पर सुशासन की बखिया उधेड़ देने की संकल्प बुद्धीजीवियों एव युवाओं ने लिया है. लगता है बिहार में बलात्कारियों के संरक्षक चाहे प्रशासन हो या सरकार. उनके खिलाफ औरंगाबाद की धरती से आवाज बिहार के चारों तरफ सुनाई पड़ेंगे. ऐसे भी औरंगाबाद जिले की जनता नें सुशासन बाबू के माननीय मुखिया, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों को पहले ही नाकार चूके है.

सोशल मीड़िया के सुर्खियों में पटना के शेल्टर होम/जेल में तथाकथित बलात्कार के शिकार पीड़ित बालिका के वीड़ियो वास्तविक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं संबंधित प्रशासन की छबी को कलंकित किया है और शेल्टर होम/जेल में बंद 200 बच्चियो के साथ बलात्कार की घटनाएं, जेलर बंदना गुप्ता द्वारा बालिकाओं को सेक्स के लिए मजबूर करना, विक्षिप्त बालिकाओं के साथ भी सेक्स कराना, इत्यादि आरोप बिहार सरकार के माननीय मुखिया, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एव स्थानीय प्रशासानिक अधिकारियों के लिए कलंक का धब्बा है.

ऐसी हालातो एवं परिस्थितियों तथा आरोप प्रत्यारोप में जन भावनाओं की इच्छाओं से गुंज रहे आवाज यह कहता है कि आरोप लगाने वाले पीड़ित बालिका के आरोप पर तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री को राज्य हित में संज्ञान लेना चाहिए और तत्काल प्रभाव से जेलर बंदना गुप्ता को निष्पक्ष जाँच के लिए जेल से हटाते हूए कैदियों को भय मुक्त वातावरण में लाना सरकार की जबादेही है और कांड़ों की निष्पक्ष जाँच हेतू नीतीश सरकार को चाहिए कि न्यायधीशों एवं राजनीतिक दल के नेताओं की टीम व जाँच दल गठित करें और तथाकथित पीड़त बालिकाओं से बात करने की आजादी को सुनिश्चित करे तथा स्वयं द्वारा भी निष्पक्ष जाँच कर जनमानस को अवगत कराना सुनिश्चित करें. यह सरकार एवं संबंधित प्रशासन की जबाबदेही हैं.

जन भावनाओं की गुँज रहे आवाज से कोई भी सरकार को लोकतंत्र में अपना विश्वास जनता के बीच बनाए रखने हेतू निष्पक्षता एवं जाँच की आजादी आवश्यक है. अगर कोई भी सरकार ऐसा नहीं करती है, तो उनको सत्ता से जाना चाहिए और जनमानस के एक बड़ी आबादी कभी भी गुण्ड़ों के संरक्षक सरकार को सता में रखकर किसी के भी बेटियों एवं बहुओं के साथ बलात्कार की घटनाओं का अंजाम दिलाना नहीं चाहेगा.

परीक्षा अब नीतीश कुमार को देनी है. जनता के बीच पास होते है या फेल. यह उनके संस्कारों पर निर्भर है. फिर फैसला जनता के हाथों में है. जन आंदोलन के रास्ता भी तय होगें, और जो बलात्कारियों के विरुद्ध सड़क पर जनता के बीच होगें. उन्हें बिहार के सत्ता पर भेजा जाएगा. विपक्ष के नेताओं को नसीहत देते हुए जन भावनाओं ने अपने संदेश में कहा है.

बिहार में विपक्ष की भुमिका निभा रहे नेताओं को भी चाहिए कि पटना के शेल्टर होम ध जेल में बालिकाओं के साथ बलात्कार के आरोपो की हकियत व सच्चाई की जाँच विधानसभा से पक्ष व विपक्ष का संयुक्त जाँच टीम बनाकर जाँच करनी चाहिए और जनता को भी सच्चाई से अवगत करानी चाहिए, क्योंकि यह बिहार व बिहारियों के उपर कलंक का लगा टिका व धब्बा है. जिसे धोना सरकार के साथ हर बिहारियों का दायित्व व जबादेही हैं.

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन ब्यवस्था पर कड़ी प्रतिक्रिया ब्यक्त करते हुए औरंगाबाद जिले के लोजपा नेता मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार के सुशासन व्यवस्था की सरकार में जंगलराज का पार्ट 02 चल रहा है और प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं हैं. प्रशासानिक मनमानी अंतिम प्रकाष्ठा पर है. सभी जगहों से झटका लगने के बाद भी बिहार के मुख्यमंत्री सुधर नहीं रहे है. जिसका जबाबदेह भाजपा के साथ बिहार प्रदेश के चंद नेता भी है.

लोजपा सुप्रीमो द्वारा बिहार के कुर्सी से नीतीश कुमार को हटाकर, सरकार के सुशासन ब्यवस्था में नरक की जिन्दगी जी रहे बलात्कार व यौन शोषण का शिकार बालिकाओं को सुरक्षा के साथ स्वावलंबी बनाने का काम किया जाएगा.

—अनिल कुमार मिश्र/
अजय पाण्ड़ेय

# आईआईएम बोधगया में वर्ष 2022 का प्रथम अंतर्राष्ट्रीय माइंडफुलनेस अनुसंधान का किया गया सम्मेलन

गया (मगध बिहार): आईआईएम बोधगया में माइंडफुलनेस पर पहला अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आई.आर.सी.एम.)का आयोजन 3 फरवरी, 2022 से शुरू हुआ, जो 5 फरवरी, 2022 को समाप्त होगा। आईआईएम बोधगया अपने छात्रों में समृद्ध संस्कृति और पाठ्यक्रम के माध्यम से माइंडफुलनेस विकसित करता है। संस्थान ने अपने अभियान और मूल मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन में दुनिया भर के विशेषज्ञों और शोधकर्ताओ को एक मंच पर लाया।

यह सम्मेलन संस्थान के समत्वम – द माइंडफुलनेस सेंटर के तत्वावधान में, डॉ. विनीता सहाय, निदेशक, आईआईएम बोधगया के मार्गदर्शन और डॉ निधि मिश्रा, सहायक प्रोफेसर एवं डॉ टीना भारती, सहायक प्रोफेसर के समन्वयन में आयोजित किया जा रहा है। कोविड – 19 संक्रमण से बचाव के मद्देनजर यह कार्यक्रम आभासी माध्यम से किया जा रहा है, जिसका लाइव प्रसारण यूट्यूब पर भी किया जा रहा स प्रथम दिन के सत्र में टूल्स टू ऑप्टिमाइज वर्कप्लेस वेलबीइंग विषय पर सुश्री लोरी श्वानबेक, इमोशनल इंटेलिजेंस कंसल्टेंट ऑन माइंडफुलनेस ने अपना सारगर्भित विचार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, ष्वर्तमान में हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे खुले तौर पर स्वीकार करके नकारात्मक पूर्वाग्रह से बचना चाहिए, किसी भी संभावना और सकारात्मकता के लिए अवकाश बनाना चाहिएष द्य आगे, उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे नकारात्मक पूर्वाग्रह हमारी भलाई में बाधा डालते हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में ध्यान, जर्नल लेखन और श्वास अभ्यास को शामिल किया।द्य उन्होंने दैनिक जीवन में सभी माइंडफुल अभ्यासों को जीवन में उतारने पर चर्चा की।

सुश्री रुचिका सीकरी, संस्थापक, मंडला वेंचर्स ने सत्र को ष्करुणा – उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए एक आवश्यक कौशलष विषय पर चर्चा करते हुए सत्र को आगे बढ़ाया।

उन्होंने सशक्त परियोजना समूह के अभूतपूर्व शोध पर अपने विचार साझा किए कि कैसे करुणा प्रामाणिक नेतृत्व की ओर ले जाती है।

—विश्वनाथ आनंद

## अच्छाई के लिए उभारना और बुराई से रोकने को भी अपने काम में शामिल करें

पहले जमाने में जब हमारे श्रृषि मुनि या बुजुर्ग नाराज़ होते थे तो कहते थे मैं तुम्हें श्राप देता हूं। इसे दूसरे अर्थ में बददुआ भी कह सकते हैं। अगर दुआ से तक़दीर बदल जाती है तो बददुआ से क्या होगा?

नेकी या अच्छे काम करने से उम्र लम्बी होती है इसके उलट बदी या बुरे काम करने से क्या होगा?

## Congratulations

TO THE YOUNG AND TALENTED STUDENTS OF TALENT ZONE ACADEMY FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN NEET & IIT.

*You all have proved that great things can be achieved through hard works and efforts I would also like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students This result marks the first stroke of the beginning*

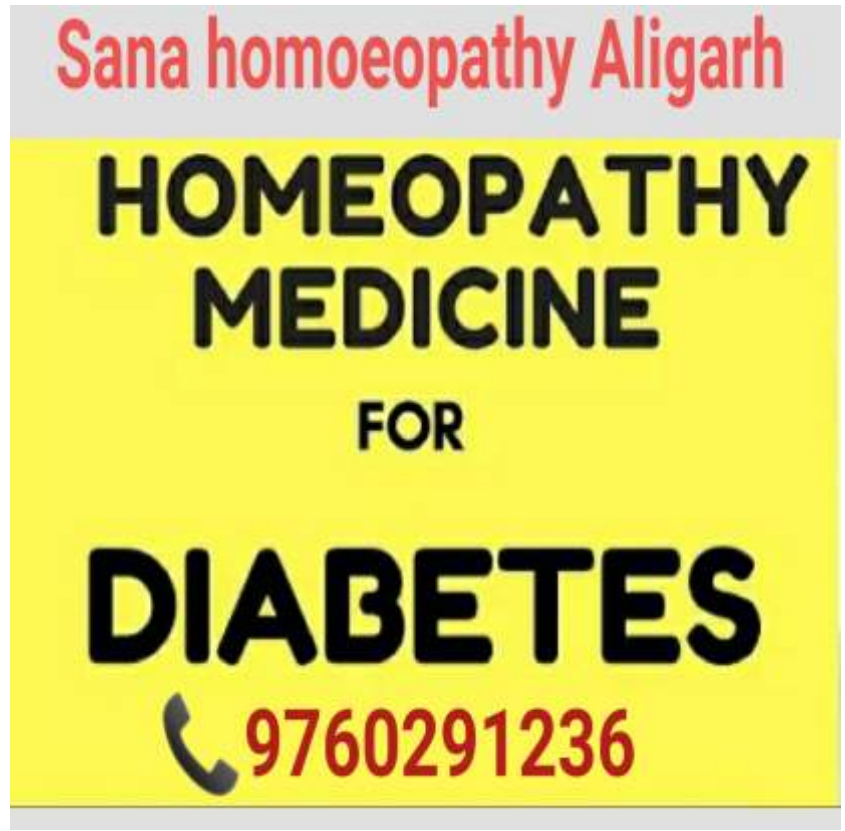

# 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस पर जानते है इसके बचाव के उपाय

कैंसर दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक है. लेकिन इसे लेकर आज भी समाज में कई भ्रांतियां है. जिससे बचाव और उसके प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है.कैंसर कई तरह से लोगों को हो सकता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने की कई ऐसी कई चीजें हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोक सकती है. वैज्ञानिकों का मानना है कि कैंसर के लगभग 70 प्रतिशत मामले सिर्फ खाने के जरिए कम हो सकते हैं. तो चलिए आज हम आपको बताते हैं ऐसे फूड आइटम जो कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं.

हरी पत्तेदार सब्जियां : हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे– सरसों, मेथी, पालक आदि एंटीऑक्सीडेंट्स से भरे होते हैं. इनमें केरोटीन, ल्यूटिन जैसे तत्व होते हैं जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं.

ब्रोकली : हरे रंग की गोभी या जिसे ब्रोकली कहा जाता है, यह कैंसर के खतरे को कम करने में मददगार होती है. ब्रोकली में सल्फोराफेन होता है, जो नई कैंसर की कोशिकाओं के आकार और संख्या को 75 फीसदी तक कम

कर सकता है. इतना ही नहीं यह प्रोस्टेट कैंसर की कोशिकाओं को नष्ट करने और ट्यूमर को खत्म करने में भी सहायक हो सकता है.

टमाटर : लगभर हर घर में टमाटर का इस्तेमाल किया जाता है. लाल–लाल छोटे टमाटर में लाइकोपीन होता है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है.

लाल अंगूर : लाल अंगूर भी कैंसर से लड़ने में काफी मदद करते हैं. इसके छिलकों में रेसव्राट्रोल एंटीऑक्सीडेंट मौजूद है, जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं.

बीन्स : बीन्स में फाइबर्स और कई सारे विटामिन पाए जाते हैं. इसका नियमित रूप से सेवन करने वाले लोगों में कोलोरेक्टल कैंसर होने का जोखिम कम होता है.

लहसुन : लहसुन का सेवन करने वालों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा कम होता है. कई शोध में पाया गया है कि, त्वचा कैंसर को कम करने में लहसुन के सेवन फायदेमंद होता है.

गाजर : गाजर में विटामिन ए, सी, के, बी8, फोलेट, पोटेशियम, आयरन, मैंगनीज, फाइबर, वीटा–कैरोटीन आदि कई विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं. इसका सेवन कई प्रकार के कैंसर (पेट संबंधित) को कम करने में मदद करता है.

करेला : करेला शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है. शोध में पता चला कि करेला कैंसर ट्यूमर को करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ने से रोक सकता है. डॉक्टर्स भी अपनी डाइट में करेले को शामिल करने की सलह देते हैं.

अखरोट : अखरोट ब्रेस्ट कैंसर को रोकने में फायदेमंद होता है. इसके अलावा यह ट्यूमर को भी बनने से रोकता है. इसमें फाइबर, विटामिन–बी, मैग्नीशियम और एंटी–ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं का बढ़ने से रोकते हैं.

हल्दी : हल्दी अपने औषधीय गुणों के कारण एक सुपरफूड मानी जाती है. इसका इस्तेमाल कैंसर के बचने के लिए भी किया जा सकता है. इसमें मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन, विटामिन बी 6, ओमेगा 3, ओमेगा 6 फैटी एसिड और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं. हल्दी का नियमित सेवन कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचा सकता है.

–एजेंसी

# एक खास औषधि है अरबी, जानते हैं इसके चमत्कारी गुण

भारत के अनेक प्राँतो में अरबी या घुईयाँ की खेती इसके कंद के लिए की जाती है। अरबी भारतीय किचन की एक प्रचलित सब्जी भी है। अरबी का वानस्पतिक नाम कोलोकेसिया एस्कुलेंटा है। अरबी के पत्तों से बनी सब्जी बहुत स्वादिष्ट होती है। इसकी पत्तियों में प्रमुख तौर पर विटामिन एबीसी के अलावा कैल्शियम और पोटेशियम पाया जाता है। इसके कंदों में प्रोटीन, स्टार्च, विटामिन एबीसी और ई के अलावा पोटेशियम, मैंग्नीज, फोस्फोरस और मैग्नेशियम पाया जाता है। आदिवासियों के अनुसार अरबी का कभी भी कच्चा सेवन नहीं करना चाहिए, इसकी पत्तियों और कंदो को भलिभांति उबालकर ही उपयोग में लाना चाहिए। आदिवासी भी इस पौधे की पत्तियों और कंदों को तमाम रोगों के इलाज के लिए हर्बल नुस्खों के तौर पर अपनाते हैं, चलिए आज जानते है अरबी से जुडे आदिवासी हर्बल नुस्खों को..

अरबी का कंद शक्ति और वीर्यवर्धक होता है वहीं इसकी पत्तियाँ शरीर को मजबूत बनाती हैं। अरबी के कंदों और पत्तियों की साग बलबर्धक होती है। अच्छी तरह से उबले कंदों को नमक मिलाकर खाया जाए तो वीर्य पुष्ठी होती है, ऐसा दावा आदिवासी करते हैं।

आदिवासी हर्बल जानकारों की मानी जाए तो अरबी के कंदों की सब्जी का सेवन प्रतिदिन करने से हृदय भी मजबूत होता है। प्रतिदिन अरबी की सब्जी का सेवन उच्च–रक्तचाप में भी काफी उपयोगी है।

अरबी की पत्तियों की डंठल को तोडकर जलाया जाए और इसकी राख को नारियल के तेल के साथ मिलाकर फोडों और फुन्सियों पर लेपित किया जाए तो काफी फायदा होता है।

प्रसव के बाद माताओं में दूध की मात्रा कम बनती हो तो अरबी की पत्तियों की साग या कंदो की सब्जी प्रतिदिन देने से अतिशीघ्र फायदा होता है।

इसके पत्तों में बेसन लगाकर भजिये तैयार किए जाते है और माना जाता है कि ये भजिये वात रोग और जोड दर्द से परेशान रोगियों के लिए उत्तम होते है, आर्थरायटिस रोग से त्रस्त व्यक्ति को ये भजिए जरूर खाना चाहिए।

–आरोग्य संहिता